श्री सनातन धार्म प्रतिनिधि सभा पंजाब : संक्षिप्त परिचय

सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा (पंजीकृत) पंजाब,की स्थापना भारतरत्न महामना पं. मदन मोहन मालवीय जी द्वारा सन् 1923 में अविभाजित पंजाब के लाहौर प्रातः में समस्त सनातन धर्मियों को एक सूत्र में बांधने के लिए की गई थी।

सनातन धर्म एवं वैदिक संस्कृति का प्रचार प्रसार, शिक्षा और विशेषकर कन्या शिक्षा के प्रसार के लिए स्कूल कॉलेजखोलना, गौ रक्षा, मन्दिरों का निर्माण एवं तीर्थ स्थलों काजीर्णोद्धार, छूआ छूत की समाप्ति एवं अन्त्यजों का मन्दिरों में प्रवेश आदि के माध्यम से समाज में धर्म व मानवतावादी स्वरूप को प्रतिष्ठित करना सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा के मुख्य उद्देश्य रहे है।

सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा (पंजीकृत) पंजाब, भारतरत्न महामना पं. मदन मोहन मालवीय जी द्वारा स्थापित एक ऐसी विराट सभा है जिसमें पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, दिल्ली, चण्डीगढ़, उत्तरप्रदेश, उत्तरांखंड, राजस्थान आदि विभिन्न प्रदेशों के विभिन्न शहरों और क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर सनातन धर्म व वैदिक संस्कृति के प्रचार–प्रसार के लिए समर्पण भाव से कार्यरत सैकड़ों सनातन धर्म सभाओं के प्रतिनिधि भाग लेते हैं ।

त्यागमूर्ति गोस्वामी गणेश दत्त जी महाराज तथा व्याख्यान वाचस्पति दीन दयालु जी उपाध्याय ने अपने अनथक प्रयासों से इस विराट सभा का संवर्धन किया। देश के विभाजन के पश्चात् सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा की करोड़ों रूपयों की सम्पत्ति पाकिस्तान में रह गई थी। स्वतन्त्र भारत में त्यागमूर्ति गोस्वामी गणेश दत्त जी के नेतृत्व में प्रतिनिधि सभा ने नए सिरे से कार्य आरम्भ किया । विभाजन के पश्चात गोस्वामी गणेश दत्त जी के 1959 में देहावसान तक के 11 वर्षो में अनेकोनेक मन्दिरों, स्कूलों कॉलेजों सप्तसरोवर हरिद्वार में **सप्तऋषि आश्रम** तथा दिल्ली पहाड़गंज मेंसनातन धर्म प्रतिनिधि सभा के मुख्य कार्यालय **भूपेन्द्र भवन** की स्थापना हो चुकी थी।

गोस्वामी गणेशदत्त जी के पश्चात उनके अनुयायी प्रो. वशिष्ठ, लाला शिवराम सेवक, पं. चिरंजीलाल, श्री लाभ सिंह भंडारी, पं. बिशनदास शर्मा, लाला चमन लाल कत्याल, श्री मेहता जगन्नाथदत्त, पं. अमरनाथ शर्मा, पं.

भगीरथलाल, लाला जगन्नाथ धौन, पं. जगन्नाथ शर्मा आदि ने सनातन धर्म एवं शिक्षा के प्रचार–प्रसार, समाज के कल्याण व राष्ट्र के उत्थान में जो स्तुत्य सेवाकार्य किया है वह जन–जन को विदित है।

1999 में प्रतिनिधि सभा के भूतपूर्व प्रधान पंडित मोहन लाल जी के परलोक गमन के पश्चात डॉ शिव कुमार जी प्रधान पद पर अभिषिक्त किए गए। उन्होने लगभग 22 वर्षों तक सभा को प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाया। नवंबर 2021 को डॉ शिव कुमार जी ईश्वर के चरणों में विलीन हो गए। फरवरी 2022 में हुए चुनाव में डॉ देशबन्धु जी को सर्वसम्मति से सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा तथा सनातन धर्म शिक्षा समिति का प्रधान चुना गया। सम्प्रति उनके साथ कार्यवाहक प्रधान श्री इन्द्रमोहन गोस्वामी जी, महामंत्री श्री उपेन्द्र शर्मा एवं डॉ गुरदीप शर्मा, वित्त मन्त्री श्री देस राज मदान जी, कार्यालय मन्त्री श्री सुभाष शर्मा जी, प्रचार मन्त्री डॉ नन्द किशोर शर्मा जी एवं सनातन धर्म महावीर दल के प्रधान महन्त स्वरूप बिहारी शरण जी कार्यकारिणी के प्रमुख सदस्य है।

इनके कुशल नेतृत्व एवं मार्ग दर्शन में प्रतिनिधि सभा स्कूल कॉलेज खोलने, मन्दिरों एवं धर्मशालाओं का निर्माण पुरातन मन्दिरों एवं तीर्थ स्थलों का जीर्णोद्धार, के साथ साथ धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक क्षेत्र के अनेक सेवाधर्मी प्रकल्पों जैसे धार्मिक महासम्मेलनों का आयोजन, औषधालय खोलना, नेत्रशिविर एवं चिकित्सा शिविर जैसे कार्यो में प्रमुख योगदान दे रही है।

हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन आदि कुम्भ मेलों, कुरूक्षेत्र में सूर्यग्रहण मेलों तथा अन्य धार्मिक पर्वों पर लगने वाले मेलों पर वैदिक संस्कृति एवं सनातन धर्म का प्रचार–प्रसार करना तथा मेला–प्रबन्धन में स्थानीय प्रशासन कोमहावीर दल के हजारों स्वयं सेवक के माध्यम से पूर्ण सहयोग देना सभा का प्रमुख कार्य रहा है।

सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा ने जून 2016 से सनातन सवंर्धिनी नामक एक अर्द्धवार्षिक पत्रिका का प्रकाशन भी आरम्भ किया है। इसके साथ साथ प्रत्येक वर्ष व्रतोत्सव प्रदर्शिका का प्रकाशन भी नियमित रूप से किया जाता है। यह दोनों प्रकाशन सनातन धर्म शिक्षा समिति के माध्यम से किए जा रहे हैं।

इस विराट सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा की दो प्रमुख अन्तरंग संस्थाएँ हैं–

1. श्री सनातन धर्म महावीर दल पंजाब (पंजीकृत)
2. श्री सनातन धर्म शिक्षा समिति पंजाब (पंजीकृत)

श्री सनातन धर्म महावीर दल पंजाब (पंजीकृत)

सनातन धर्ममहावीर दल के हजारों स्वयं सेवक गणवेश में कुम्भ मेलों व अन्य मेलों के सुचारू प्रबन्धन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । जो कार्य किसी अन्य सरकारी या गैरसरकारी संस्था से संभव नहीं, महावीर दल के स्वयंसेवक उसे सहज रूप में सम्पन्न कर देते हैं ।

महावीर दल के स्वयं सेवक अपने आराध्य राम भक्त महावीर हनुमान जी की भान्ति निष्काम भाव से धर्म, समाज व राष्ट्र को अपनी सेवाएं प्रदान करते है। पिछले दशकों में पंडित मोहन लाल जी, पंडित अमर नाथ शर्मा, पंडित केदार नाथ शर्मा, श्री मनोहर लाल मनन, श्री राजेन्द पाल चोढ़ा, श्री राजेन्द्र पराशर, श्री शिव कुमार लोमश सनातन धर्ममहावीर दल पंजाब का नेतृत्व प्रधान के रुप में करते रहे हैं। वर्तमान में महन्त स्वरूप बिहारी शरण महावीर दल के प्रधान पद पर आसीन हैं।

हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन आदि तीर्थों पर कुम्भ, अर्ध कुम्भ मेंलों, माता चिन्तपुरणी, माता ज्वाला जी में नवरात्रों के मेलों,, कुरूक्षेत्र में सूर्य ग्रहण के अवसर पर यातायात की व्यवस्था, भीड़ का नियन्त्रण करना, लंगर चलाना, बीमारों की देखभाल करना, यात्रियों की जन–सुविधाओं का ध्यान रखना, स्वतः अनुशासित रहते हुए अपने मधुर व्यवहार से यात्रियों को अनुशासित करना आदि इन स्वयंसेवकों के प्रमुख धार्मिक और सामाजिक कार्य हैं । वस्तुतः महावीर दल सनातन धर्म की विशाल सेना है जो सदा ही धर्मक्षेत्र में धार्मिक कार्यों के लिए तैयार रहती है।

श्री सनातन धर्म शिक्षा समिति पंजाब (पंजीकृत)

सनातन धर्म शिक्षा समिति सनातन धर्म कालेजों और स्कूलों मे पढ़ने वाले विद्यार्थियों में सनातन मूल्यों और आदर्शों को जागृत करने के पुनीत उपक्रम में संलग्न है । एतदर्थ यह शिक्षा समिति स्कूल और कालेज स्तर पर अनेक शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करती है । स्कूल स्तर पर सनातन मूल्यों के प्रचार–प्रसार हेतु प्रतिवर्ष एक 'नैतिक परीक्षा' का आयोजन किया जाता है जिसमें हजारों विद्यार्थी भाग लेते हैं। श्रेष्ठ विद्यार्थियों एवं शिक्षा–संस्थाओं को पुरस्कृत किया जाता है । प्रतिवर्ष भिन्न–भिन्न स्थानों एवं प्रदेशों में

गीत, भजन, कवितोच्चारण, भाषण एवं वाद–विवाद आदि से सम्बन्धित अन्तः सनातन धर्म विद्यालयीय प्रतियोगिताएँ कराई जाती हैं । शिक्षकों के ज्ञानवर्धन के लिए पुनश्चर्या तथा भाषा–कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है । 25 दिसम्बर को प्रतिवर्ष सप्तऋृषि आश्रम हरिद्वार में मालवीय जी की जयन्ती पर सामूहिक भजन–गायन प्रतियोगिता कराई जाती है। विभिन्न तीर्थस्थलों पर सनातन धर्म महाविद्यालयों की आध्यात्मिक सभा के छात्रा–सदस्यों व अन्य छात्रों के शिविर लगाए जाते हैं । इस प्रकार वर्तमान पीढ़ी में सनातन मूल्यों को संचरित करने के लिए सनातन धर्म शिक्षा समिति कृत–संकल्प है।

शैक्षणिक वर्ष 2016 से शिक्षा समिति से सम्बद्ध सनातन धर्म महाविद्यालयों तथा विद्यालयों के उन विद्यार्थियों को जो अपने राज्य शिक्षा बोर्ड या विश्वविद्यालय में सर्वाधिक अंकं प्राप्त करते हैं, त्यागमूर्ति गोस्वामी गणेशदत्त जी स्मृति पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाता है। इसी प्रकार महाविद्यालयों तथा विद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले और निर्धारित मानकों के आधार पर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षकों एवं प्राचार्यों को भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय तथा पंडित दीन दयालु वाचस्पति पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा द्वारा **'सनातन सवंर्धिनी नामक'** एक अर्द्धवार्षिक पत्रिका का प्रकाशन तथा प्रत्येक वर्ष **'व्रतोत्सव प्रदर्शिका'**का प्रकाशन, सनातन धर्म शिक्षा समिति के माध्यम से किया जा रहा है।

वर्तमान में उपरोक्त सभी कार्यो के लिए कार्यवाहक प्रधान डॉ गुरदीप शर्मा, महामन्त्री डॉ राजेन्द्र सिहं तथा अर्थ मन्त्री डॉ नन्द किशोर शर्मा जी अपना पूर्ण सहयोग शिक्षा समिति के प्रधान डॉ देशबन्धु जी को दे रहे है।

इस प्रकार सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा पंजाब अपनी अन्तरंग संस्थाओं के समन्वित प्रयास से अनेक प्रकार के धार्मिक, दार्शनिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक व सामाजिक कार्यों का निर्वाह कर रही है । सभा का मुख्य कार्यालय भूपेन्द्र भवन, कृष्णा मार्किट, पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है । चण्डीगढ़ और सप्तऋृषि आश्रम में उपकार्यालय हैं। लगभग 99 वर्षों के अपने स्वर्णिम इतिहास में इस सभा ने अनेक महत्त्वपूर्ण कार्य किए हैं जिनका पूर्ण विवरण यहांप्रस्तुत करना संभव नहीं है ।

डॉ नन्द किशोर शर्मा

प्रचार मन्त्री,

श्री सनातन धार्म प्रतिनिधि सभा पंजाब